पाठ 17. हिंद महासागर का रत्न

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ भारत की सभ्यता-संस्कृति का एक अलग ही पहलू प्रकट कर रहा है। इस पाठ द्वारा बच्चे जान पाएँगे कि भारत की कला तथा सांस्कृतिक विशेषताएँ केवल भारत तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि जहाँ-जहाँ भी भारतीय जाकर बस गए हैं, वे विशेषताएँ भी उनके साथ वहाँ गईं और वहाँ भी एक छोटा-सा भारत बन गया है।

पाठ का सारांश

मॉरीशस की यात्रा का वर्णन करते हुए लेखक कहते हैं कि यहाँ रहने वाले लगभग 67 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। यहाँ की गलियों के नाम भी भारतीय शहरों के नाम पर हैं। मॉरीशस जाते समय लेखक नैरोबी के नेशनल पार्क में भी घूमे। नेशनल पार्क एक जंगल है जहाँ सड़कें बिछी हुई हैं। मॉरीशस को 'हिंद महासागर का रत्न' भी कहा जाता है। यहाँ पर भोजपुरी भाषा काफ़ी बोली जाती है। 'रामायण' और 'रामचरितमानस' ने भी वहाँ की संस्कृति पर व्यापक असर डाला है। मॉरीशस में गन्ने की खेती को मुख्य व्यवसाय माना जाता है। यहाँ का 'परी तालाब' एक पावन स्थल माना जाता है। शिवरात्रि पर यहाँ से जल ले जाकर लोग शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। परी तालाब पर लगने वाला मेला मॉरीशस के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। सचमुच, वहाँ पर जाकर बसने वाले भारतीयों ने उस द्वीप को छोटा-सा हिंदुस्तान बना डाला।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को बच्चों को समझाएँ। विश्व के मानचित्र में मॉरीशस की स्थिति दिखाएँ। उन्हें बताएँ कि मॉरीशस में अधिकांशत: भारतीय मूल के लोग बसे हुए हैं। वहाँ की सभ्यता-संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन पर भारत का गहरा प्रभाव है। शायद यही कारण है कि मॉरीशस को छोटा-सा हिंदुस्तान कहा जाता है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- ❖ भारतीय सभ्यता-संस्कृति से तुम क्या समझते हो?
- ❖ क्या तुम्हें कभी अपने देश से बाहर जाने का अवसर मिला है। यदि हाँ, तो कहाँ? वहाँ की कुछ विशेष बात बताइए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।